Seventeenth Loksabha

an>

Title:Need to declare the martyrdom site of protesting farmers at Patharighat in Assam as a National monument.-laid

श्री दिलीप शइकीया (मंगलदोई): पूर्वोत्तर भारत के लोगों ने अंग्रेजों के शोषण, भेदभाव और अत्याचार के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन में बहादुरी से भाग लिया था. ऐसी ही एक घटना हैं -अंग्रेजों द्वारा भूमि कर की बढ़ती दर के खिलाफ असम के दरंग जिले के पथरूघाट में किसानों के ऐतिहासिक विद्रोह की। जलियांवाला बाग़ हत्याकांड से 25 साल पहले 28 जनवरी, 1894 में पथरूघाट के किसान ,अंग्रेजो द्वारा भूमिकर को बढाने के खिलाफ, प्रदर्शन कर रहे थे। अंग्रेजों ने सैनिकों को इन किसानों पर गोली चलाने का हुक्म दिया जिसकी वजह से लगभग 140 किसान शहीद हो गए थे। अंग्रजो के खिलाफ भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे पथरूघाट के कृषकों के बलिदान इतिहास के पन्ने मे उल्लिखित तो है लेकिन आम जन के बीच व्यापक रूप से प्रचार प्रसार नहीं हैं। उपेक्षित है इस ऐतिहासिक स्थान को बलिदानी कृषक को राष्ट्र के मुख्यधारा में सही सम्मान तथा स्थान मिल सके इसलिए पथरु शहीद किसान स्थल को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया जाए साथ ही पर्यटक केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए।